पर्यावरणीय और इंजीनियरिंग चुनौतियों के समाधान पर हुआ मंथन

- यूपीईएस ने सफलतापूर्वक आयोजित किया अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

भास्कर समाचार सेवा

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रतिभाग करते हुए यूपीईएस व अन्य संस्थानों के पदाधिकारी।

देहरादून। तेजी से हो रहे तकनीकी विकास और बढ़ती पर्यावरणीय चुनौतियों के इस युग में गणितीय विज्ञानों का महत्व पहले से कहीं अधिक स्पष्ट हो गया है। यूपीईएस ने अनुसंधान और विकास के क्षेत्र में अपनी प्रतिबद्धता को दर्शाते हुए अनुसंधान राष्ट्रीय फाउंडेशन और उत्तराखंड राज्य परिषद विज्ञान और प्रौद्योगिकी (यूकोस्ट) के सहयोग से इंजीनियरिंग और पर्यावरणीय सततता में उभरते अनुप्रयोगों के लिए गणितीय विज्ञान पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन सफलतापूर्वक आयोजित किया।

इस सम्मेलन में दुनिया भर के 250 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, जिसमें छात्र, शोधकर्ता और पेशेवर शामिल थे। इसका उद्देश्य गणितीय विज्ञानों के माध्यम से महत्वपूर्ण वैश्विक चुनौतियों का समाधान ढूंढना था। सम्मेलन का मुख्य ध्यान जलवायु परिवर्तन, आपदा भविष्यवाणी, जल संसाधन प्रबंधन और सतत ऊर्जा जैसे वैश्विक मुद्दों को हल करने के लिए गणितीय उपकरणों के अनुप्रयोग पर था, खासकर हिमालयी क्षेत्र में। सम्मेलन का उद्घाटन प्रमुख अतिथियों द्वारा किया गया, जिसमें डॉ. वीरेंद्र एम. तिवारी, निदेशक और जेसी बोस राष्ट्रीय साथी, सीएसआईआर-एनईआईएसटी, जोहाट और डॉ. वीनीत के. गहलौत, निदेशक, वाडिया इंस्टीट्यूट ऑफ हिमालयन जियोलॉजी, देहरादून मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि पोलिश एकेडमी ऑफ साइंसेज, पोलैंड से प्रो. तादेउस्ज़ चाचोस्की सम्मानित अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए।

इस आयोजन में कई प्रमुख वैज्ञानिकों और शिक्षाविदों ने गणितीय अनुप्रयोगों पर अपने महत्वपूर्ण शोध प्रस्तुत किए। सम्मेलन में 200+ सारांश प्रस्तुत किए गए, जिनमें से 107 को मौखिक प्रस्तुतियों के लिए चुना गया। इन शोध पत्रों को प्रतिष्ठित एससीआई और स्कोपस-सूचीबद्ध पत्रिकाओं में प्रकाशित किया जाएगा, जिससे योगदानकर्ताओं को महत्वपूर्ण पहचान और प्रभाव मिलेगा। यूपीईएस के उपकुलपति, डॉ. राम शर्मा ने इस कार्यक्रम के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए। आईसीएमएस 2025 सम्मेलन गणितीय विज्ञानों में वैश्विक सहयोग को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था। यह अत्यंत आवश्यक है कि हम पर्यावरणीय और इंजीनियरिंग चुनौतियों के समाधान के लिए अंतरविभागीय दृष्टिकोण अपनाएं। मुझे गर्व है कि इस सम्मेलन में उत्कृष्ट मस्तिष्कों ने हिस्सा लिया और मुझे विश्वास है कि उनके योगदान से हमारे ग्रह के समक्ष खड़ी कुछ सबसे गंभीर समस्याओं के समाधान में मदद मिलेगी। यूपीईएस सभी शोधकर्ताओं, पेशेवरों और छात्रों का आभार व्यक्त करता है जिन्होंने इस ज्ञानवर्धक मंच में भाग लिया और आईसीएमएस-2025 को एक बड़ी सफलता बनाने में योगदान दिया।